SHRI KHYOMO LOTHA: Mr. Chairman, Sir, I would like to know whether this Crop Insurance Scheme has been introduced in the North-East because a majority of the population there are farmers. And which are the crops that have been covered by this insurance and what are the premia for different crops like paddy, wheat, maize, etc. and what is the response of the farmers. In the new scheme which will be introduced shortly as the Minister has said? Will the premia for the rural areas and the backward regions be less than for other areas where it is more commercially viable? I want to know these from the hon. Minister.

SHRI BALRAM JAKHAR: Sir, what we are trying to do is to cover the whole of India for this and for that, every consideration will be taken into account. Then there will be no problem and there will be no deviations. Nothing of that will happen then. We are also going to include the North-Eastern States so that no part is left out. We will take into account the given situation, the climatic conditions, their proximity to cyclonic or drought-affected areas, etc. and fulfil the desires. That is what my intentions are and that is what the Government's intentions are.

SHRI MOTURU HANUMANTHA RAO: Sir, in view of the fact that the prevailing crop insurance could not be of any help to the drought-affected and flood-affected farmers of Andhra Pradesh this year, would the hon. Minister see to it that the proposed comprehensive scheme comes into operation before the next crop comes in?

SHRI BALRAM JAKHAR: We are trying very hard to find a viable scheme and I think I will need your support also and we will try to do it.

SHRI MOTURU HANUMANTHA RAO: A time-bound action will have to be taken.

SHRI BALRAM JAKHAR: If something is not fully viable, how are you going to make it effective? We must make it effective so that it does not break down. It must not have a deficiency. That is what I am trying to do.

SHRI K. R. V[illegible]: Mr. Chairman, Sir, even though the question relates to Andhra, I want to put a general question to the Minister. A large number of farmers are engaged in cultivating betel crop, especially in the Cauvery Belt in Salem District, Tamil Nadu. One has to spend more than Rs. One lakh for an acre for cultivating betel crops. Sometimes, unknown pests and diseases completely destroy the entire crop. The betel plant growers are repeatedly requesting the General Insurance Corporation to include betel crop also in the Crop Insurance Scheme. But the Insurance Corporation is not willing to include it. I want to know from the Minister whether he will consider and take steps to include the betel crop also in the category of Crop Insurance Scheme to save the farmers.

SHRI BALRAM JAKHAR: Sir, I have already said, we will take into consideration each crop—what is its remunerative price, what are the implications, that also we will take into account. And then how to determine the premium, that also will have to be taken into account because it has to be a self-sustained scheme. It is not going to be another subsidy because we will not be falling back again and again and then making it unworkable.

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय

*324. श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में नये विभाग खोलने और नये होस्टलों का निर्माण करने तथा इस विश्वविद्यालय को दी जा रही वार्षिक सहायता में वृद्धि करने के लिए क्या कदम उठाने का विचार रखती है ; और

(ख) उक्त विश्वविद्यालय के और अधिक विकास के लिए प्रस्तावित अन्य योजनाओं का ब्यौरा क्या है ?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) and (b) According to the information furnished by the University Grants Commission, the Commission released an amount of Rs. 4102.32 lakhs as Non-Plan grant to Banaras Hindu University (BHU) in 1990-91 and an amount of Rs. 4444.07 lakhs has been allocated to the University during 1991-92.

During the VII Plan, BHU was allocated a sum of Rs. 1556.61 lakhs. This included an allocation of Rs. 104.00 lakhs for construction of six hostels for 357 students. For the Eighth Plan the Commission has so far allocated an amount of Rs. 1100.00 lakhs for various development schemes of the University. This includes an amount of Rs. 120.00 lakhs for the new hostels and provisions for campus development, academic buildings, staff salary, books and journals, equipment other facilities and services.

BHU did not ask for funds for opening of new Departments either in the Seventh or the Eighth Plans.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : मान्यवर, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना फरवरी, 1916 में की गई थी और इसका प्रांगण करीब 1300 एकड़ भूमि पर स्थित है । बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की जो वार्षिक रिपोर्ट है 1988-89 की, उसके अनुसार यहां पर 1295 अध्यापक थे और 6371 गैर शिक्षक कर्मचारी थे । वहां जो स्टाफ क्वार्टर्ज हैं उनकी बहुत कमी है और जो गैर शिक्षक कर्मचारी हैं और अध्यापक हैं उनकी ओर से बार-बार मांग आती है कि उनके लिए जो रिहायशी क्वार्टर्ज हैं उसका भी प्रबन्ध किया जाए । मंत्री जी ने जो उत्तर दिया है उसकी इसमें तनिक भी चर्चा नहीं है तो मैं यह जानना चाहता हूं कि वहां के और जो कर्मचारी हैं शिक्षक और गैर शिक्षक इनकी रिहायशी कठिनाइयों को देखते हुए सरकार इस ओर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय को विशेष आर्थिक सहायता देगी या विशेष अनुदान देगी ?

श्री अर्जुन सिंह : आदरणीय सभापति महोदय, जो सहायता जिन मदों में मांगी गई है उसका तो मैंने उल्लेख किया है और विश्वविद्यालय अपने स्वयं के प्रबंध में किन्हें प्राथमिकता देता है यह मूलतः विश्वविद्यालय के ऊपर है, लेकिन अगर इस प्रकार की कोई विशेष कठिनाई है तो उनकी ओर से ऐसा होगा तो हम प्रयास करेंगे कि हम उनकी मदद करें।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय मंत्री जी श्री अर्जुन सिंह जी तो शायद वहां के स्वयं भी छात्र रहे हैं जहां तक मेरी जानकारी है ।

श्री अर्जुन सिंह : धन्यवाद ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : मैं यह जानना चाहता हूं, वहां एक महिला महाविद्यालय भी है, वहां की जो छात्राएं हैं उनके लिए वहां पर एक होस्टल है और महिला महाविद्यालय की ओर से भी और वहां की अन्य जो छात्राओं के अभिभावक हैं उनकी ओर से बराबर इस बात की मांग आती रही है कि वहां के लिए एक होस्टल और खोला जाए । तो मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं और पूछना चाहता हूं कि जो उन्होंने उत्तर दिया है उसमें केवल जो छात्र हैं उनके छात्रावासों की चर्चा है निर्माण के लिए तो मैं यह जानना चाहता हूं कि वहां पर जो महिला महाविद्यालय हैं उनकी छात्राओं के लिए एक नया होस्टल निर्माण करने के लिए सरकार क्या कार्यवाही करेगी ?

श्री अर्जुन सिंह : माननीय सभापति महोदय, आठवीं पंचवर्षीय योजना में एक करोड़ रुपये छात्राओं के होस्टल के लिए देने का प्रावधान है ।

श्री दिग्विजय सिंह : सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि अब तक जो केन्द्रीय विश्वविद्यालय को अनुदान दिया जाता है उसमें सबसे ज्यादा अनुदान किस विश्वविद्यालय को भारत सरकार ने यू० जी० सी० के माध्यम से दिया है ?

श्री अर्जुन सिंह : आदरणीय सभापति महोदय, बी० एच० यू० ही एक ऐसा विश्वविद्यालय है जिसे सबसे ज्यादा अनुदान दिया गया है ।

SHRI SURESH KALMADI: Sir, the BHU has just completed 75 years of dedicated service as the premier institution of the country. Sir, the Government had given an assurance to Parliament to introduce a comprehensive legislation, including the democratic set-up of the university, within a few months. I would like to know from the hon. Minister why there is a delay in bringing this legislation. Also a Committee has been set up to suggest appropriate measures. We would like to know when this Committee report will come and when the legislation would come up before Parliament.

SHRI ARJUN SINGH: Sir, the hon. Member has made a reference to the demand for the democratisation of the Act governing the university and an assurance was given in the past that we will have a new Act. The draft legislation has been prepared. It is now being sent to the university for their comments. As soon as their comments are available, we will try to bring it in the House.

श्री शंकर दयाल सिंह : सभापति जी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय देश के उन विश्वविद्यालयों में है जिसकी अंतर्राष्ट्रीय ख्याति रही है । स्वाधीनता आंदोलन में भी उसका योगदान रहा और पूज्य मदन मोहन मालवीय जी ने जो कीर्ति स्थापित की, उसके बारे में सत्य प्रकाश मालवीय जी ने बहुत जायज सवाल उपस्थित किये हैं । मेरे जैसे प्राचीन छात्र जो काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के हैं उनको भी ऋण चुकाने का मौका दिया । . . . (व्यवधान)

श्री सभापति : प्राचीन कब से हुए ?

श्री अजीत जोगी : प्राचीन नहीं, भूतपूर्व हैं ।

श्री शंकर दयाल सिंह : मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहता हूं, जैसा माननीय मंत्री महोदय ने कहा, यह दुख की बात है कि सातवीं और आठवीं पंचवर्षीय योजनाओं के लिये विश्वविद्यालय की ओर से कोई नयी स्कीम या नयी मांग आपके पास नहीं आयी, यह आपने बताया और ग्यारह सौ लाख रुपये का अनुदान जो कि देश में सबसे अधिक आप काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को दे रहे हैं, आपने स्वीकार किया । क्या मैं सरकार के माध्यम से जान सकता हूं कि जो पैसे आप काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को अनुदान के रूप में दे रहे हैं, उनका शिक्षण के लिये, छात्रावासों के लिये और दूसरे विकास कार्यों के लिये सही रूप में व्यय हो रहा है ? इसकी जांच भी क्या कभी केन्द्रीय सरकार ने करायी है । यदि नहीं तो क्या आपके कराने का विचार है ?

श्री अर्जुन सिंह : आदरणीय सभापति महोदय, शासन की ओर से जो भी पैसा दिया जाता है, मैं ऐसा मानकर चलता हूं, कि सभी विश्वविद्यालय छात्रों के हित में अध्यापकों के हित में और विश्वविद्यालय के हित में ही उसका व्यय करते हैं। लेकिन यदि कहीं कोई ऐसी बात सामने नजर आये जिसको देखना जरूरी हो तो निश्चित रूप से उसे देखा जा सकता है । लेकिन एकदम से कोई कमेटी बनाकर और उसकी जांच करना, मैं उचित नहीं समझता हूं, जब तक कोई स्पेसिफिक चीज सामने न आये ।

श्री शंकर दयाल सिंह : मैं इसलिये कह रहा हूं कि इस समय देखिये, वहां बहुत हंगामा हो रहा है और अभी भी छात्रों के ऊपर पिछले हफ्ते भी पुलिस की बर्बरतापूर्ण कार्यवाही हुई है । मैं चाहता हूं आप किसी अधिकारी को भेजें ।

श्रीमती सत्या बहिन : सभापति महोदय मैं यह जानना चाहती हूं कि विश्वविद्यालय में जो छात्रावास खोले गये हैं और जो अनुदान दिया जायेगा, तो उसमें केन्द्रीय सरकार की अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों को उन छात्रावासों में प्रवेश देने की क्या नीति है और लड़कियों के लिये क्या छात्रावास अलग हैं या नहीं, यह बताने की कृपा करें ?

श्री अर्जुन सिंह : सभापति महोदय, छात्राओं के लिये प्रावधान किया गया है, यह मैं पहले ही बता चुका हूं और जहां तक अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों का सवाल है, उनमें जो प्रावधान हैं उसके मुताबिक ही उनको दिया जाता है।

श्री ईश दत्त यादव : माननीय सभापति जी, मैं हृदय से आभार प्रगट कर रहा हूं कि आपने मुझे समय दिया । काशी हिन्दू विश्वविद्यालय इस देश का ही नहीं, बल्कि मैं यह कहता हूं कि दुनिया का ऐसा विश्वविद्यालय है जो एक एरिया में एक कम्पाउंड के अन्दर है । यहां के छात्रों व अध्यापकों के आवास की गम्भीर समस्या है । मान्यवर, मंत्री जी ने जो उत्तर दिया है उन्होंने कहा है कि सातवीं योजना में छात्रावासों के लिये कुल 1556.61 लाख रुपया में से 104.0 लाख रुपया दिया गया है, जिसमें केवल 357 छात्र रह सकेंगे । मान्यवर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की ओर से कितने छात्रों और कितने स्टाफ के लोगों के क्वार्टर्स के लिये धनराशि की मांग की गयी थी ? और बी-पार्ट, यहां पर स्टूडेंट्स की यूनियन नहीं है, बड़ा असंतोष है और आंदोलन भी है । तो क्या मंत्री जी यहां पर यूनियन बनाने की अनुमति प्रदान करने जा रहे हैं अथवा नहीं ?

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : यूनियन तो है, लेकिन उनका चुनाव नहीं हुआ है।

श्री सभापति : क्या मिनिस्टर चुनाव करायेंगे ?

श्री अर्जुन सिंह : आदरणीय सभापति महोदय, यूनिवर्सिटी और यूनियन का चुनाव विश्वविद्यालय ही करेगा । लेकिन चुनाव हों, इसके पक्ष में मैं भी हूं और मेरी जानकारी के मुताबिक 11 जनवरी को चुनाव होने जा रहा है। माननीय सदस्य ने जो दूसरी आवश्यकताओं की ओर कहा है, मैंने पहले ही कहा कि कि जो आवश्यकताएं विश्वविद्यालय की हैं, जो उनको ग्रांट दी जा रही है, वह अगर पर्याप्त नहीं है और वह किसी और बात की ओर संकेत करेंगे तो जितने साधन हैं उनमें से कोशिश की जायेगी कि उसको पूरा किया जाये।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : माननीय सभापति जी, मैं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कोर्ट का सदस्य आपकी कृपा से हूं और मैं माननीय मंत्री महोदय से जन न चाहता हूं कि हेरो, कैम्ब्रीज और बी० एच० यू० दुनिया के तीन सबसे बड़े विश्वविद्यालय हैं । लेकिन भारत सरकार ने सातवीं पंचवर्षीय योजना में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को 1556.61 लाख रुपया दिया और आठवीं पंचवर्षीय योजना में ग्यारह सौ लाख रुपया दिया । क्या अपराध काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने किया कि वन थर्ड आपने घटा दिया ? दूसरे मैं जानना चाहता हूं कि सभी केन्द्रीय विश्वविद्यालयों का एक नेचर होना चाहिये। दिल्ली विश्वविद्यालय में 60 साल के रिटायरमेंट के बाद 5 वर्ष तक अध्यापक पढ़ा सकते हैं लेकिन काशी हिंदू विश्वविद्यालय में और अन्य विश्वविद्यालयों में यह लागू नहीं है। क्या मंत्री महोदय इस पर विचार करके एकरूपता लाने की कृपा करेंगे? काशी हिंदू विश्वविद्यालय में अब तक कई अध्यापकों की नियुक्ति लगभग 10 वर्ष से रुकी हुई है। उस नियुक्ति के लिये क्या करेंगे ? केंद्रीय विश्वविद्यालय का प्रश्न आया तो मैं ध्यान दिलाना चाहूंगा माननीय मंत्री महोदय का आपके माध्यम से कि दिल्ली विश्वविद्यालय के 60,000 विद्यार्थी डबल फीस कर

दिये जाने के कारण आंदोलन पर हैं और... (व्यवधान) यह सब केन्द्रीय विश्वविद्यालय हैं इसलिये मैं ले रहा हूं। माननीय सभापति जी, सारे छात्र आंदोलन पर हैं और बड़ा आंदोलन होने वाला है। मुझे पता लगा है कि वाईस चांसलर कड़ा रूख अपनाये हुये हैं और आज ही मैं मंत्री महोदय को इस संदर्भ में एक पत्र लिख रहा हूं।

श्री सभापति : वह आप लिख दीजिये लेकिन यह प्रश्न बनारस हिंदू विश्वविद्यालय का है। This doesn't come within the purview of this question.

डा. रत्नाकर पाण्डेय : मैं प्रश्न पर आ रहा हूं। इसमें आर्थिक घोटाले की भी बात है। क्या श्री बख्शी को 3 महीने की तनख्वाह देकर विश्वविद्यालय से हटायेंगे ताकि शांति हो सके, जिससे सारे विश्वविद्यालय में असंतोष व्याप्त है।

MR. CHAIRMAN: You need not answer about Delhi.

श्री अर्जुन सिंह : माननीय सभापति जी, जहां तक अनुदान कम करने का प्रश्न है, शायद कुछ गलतफहमी से माननीय सदस्य ने ऐसा समझ लिया। मैंने जवाब यह दिया था कि—

for the Eighth Plan the Commission has so far allocated an amount of Rs. 1,100 lakhs. यह अंतिम फिगर नहीं है, अभी तक जो दिया गया है वह फिगर है।

डा. रत्नाकर पाण्डेय : पहले 1756 था... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Next Question.

*325. [*The question* (*Shri Santosh Bargodia*) was absent for answer vide col. infra)

Setting up of new Central Universities

*326. SHRI JAGADISH JANI: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government propose to set up some more Central Universities; and

(b) if so, the names of States together with the locations where those Central Universities are proposed to be set up?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) and (b) Legislation has been enacted to establish Central Universities at Silichar in Assam and at Lumami in Nagaland. It has also been agreed, in principle, to establish a second Central University in Assam.

श्री जगदीश जानी: सभापति महोदय, क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने का नार्म्स क्या है? अब तक कितने केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापित किये गये हैं?

श्री अर्जुन सिंह : आदरणीय सभापति महोदय, अभी तक 10 केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापित किये गये हैं— अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली, यूनिवर्सिटी आफ हैदराबाद, जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नार्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, विश्व भारती, जामिया मिलिया इस्लामिया, इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी। जहां तक आधार की बात है, कई विषयों पर विचार करके ही केन्द्रीय विश्वविद्यालय खोलने का निर्णय लिया जाता है। एक तो वहां के शैक्षणिक जगत में गति लाने के लिये, कुछ ऐतिहासिक कारणों से और इन सब बातों पर विचार करके यह फैसला होता है।